1996 और 2003 में विश्व कप न उठा पाने का अफसोस है-सचिन

नई दिल्ली, 24 मई। क्रिकेट के बेताज बादशाह सचिन तेंदुलकर को आज भी इस बात का गहरा अफ़सोस है कि वह 1996 और 2003 में विश्व कप ट्रॉफी नहीं उठा पाए हालांकि उनका यह सपना 2011 में पूरा हो गया था।

अपने जीवन पर बनी फिल्म 'सचिन ए बिलियन ड्रीम्स' के प्रचार में लगे मास्टर ब्लास्टर ने एक साक्षात्कार में कहा, मुझे इस बात का अब भी अफसोस है कि मैं 1996 और 2003 दोनों बार ट्रॉफी नहीं उठा पाया। जब भी आप किसी टूर्नामेंट में उतरते हैं खास तौर पर विश्वस्तर के तो आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप ट्रॉफी उठायें। कुछ ही बार आप ऐसा कर पाते हैं।

मास्टर ब्लास्टर ने कहा, वास्तव में कुछ टीमों ने दो या उससे ज्यादा बार ऐसा किया हैं वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया ने यह करिश्मा किया। भारत ने भी 2011 में दूसरी बार यह ट्रॉफी उठाई लेकिन मुझे लगता है कि यदि हमें 2003 का फाइनल आज खेलने दिए जाये तो खिलाड़ियों का मैच के प्रति दृष्टिकोण ही कुछ अलग होगा। हम सभी उस मैच में पहले ही ओवर से उत्साहित थे। वह एक बड़ा क्षण था। यदि उन खिलाड़ियों को एक और मौका दिया तो उनका मैच के प्रति अंदाज ही अलग होगा क्योंकि ट्वंटी 20 के आगमन से खेल के प्रति नजरिया बिल्कुल बदल चुका है।

सचिन ने कहा, उस समय 358 का स्कोर एवरेस्टनुमा दिखाई देता था। आज भी यह वैसा ही स्कोर होगा लेकिन 2003 के मुकाबले अब यह उतना मुश्किल नहीं लगेगा। अब 434 का भी पीछा किया जाता है। हमने भी कई बार तीन विकेट पर 325 रन बना रखे हैं। यह सब इस कारण हैं कि फॉर्मेट बदला है, नियम भी कुछ बदले हैं और परिस्थितियां भी बदली है।

क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाज ने कहा, मुझे लगता है कि ट्वंटी 20 के आने से सोच भी बदल गयी है। अब खिलाड़ी बड़े लक्ष्य के सामने घबराते नहीं है इसलिए मैं कह रहा हूं कि अब हमारा दृष्टिकोण अलग होता।

अपने क्रिकेट करिअर में अनगिनत विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखने वाले सचिन ने अपनी फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में पूछे जाने पर बड़ा ही संक्षिप्त जवाब दिया। मुझसे पूछा गया कि वह फिल्म 20-25 बार देख चुके हैं। बाहुबली और दंगल ऐसी फिल्में हैं जो इस दौरान आयी जिनका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जबर्दस्त रहा, इस पर सचिन ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि उनमें कितने जीरो लगे हैं।'

पाकिस्तान में उनकी फिल्म रिलीज होने के सवाल पर सचिन ने कहा, मुझे वितरकों से देखना होगा कि वह क्या करने जा रहे हैं। मैं ताजा घटनाक्रम को देखते हुए अभी कुछ कह नहीं सकता। अपने गुरू रमाकांत आचरेकर के साथ फिल्म देखने के सवाल पर सचिन ने कहा, वह कल भारतीय टीम के साथ आ रहे हैं। सर आ रहे हैं और उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। फिल्म में अपने निजी ड्क्षजगी के लिए सचिन ने कहा, मेरे परिवार के सदस्य इस पर बात कर रहे हैं। मेरी पत्नी बात कर रही है और आपको मेरे जीवन के बारे में काफी कुछ देखने को मिलेगा। जब आप थियेटर से बाहर निकलेंगे तो आप यही सोचेंगे कि मैंने इन चीजों की कल्पना ही नहीं की थी।

आईपीएल : मुंबई इंडियंस के प्रदर्शन पर एक नजर

मुंबई इंडियंस ने तीसरी बार इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया। पांच वर्षों में तीसरी बार मुंबई चैंपियन बनी। 2013 में पहली बार खिताब मुंबई के नाम गया। इसके बाद 2015 में और फिर 2017 में मुंबई ने आईपीएल जीता। मुंबई की बल्लेबाजी इस लीग में शानदार रही। यहां तक कि सातवें नंबर पर खेलने वाले सभी बल्लेबाजों ने कम-से-कम एक हाफ सेंचुरी लगाई। इसके अलावा गेंदबाजी भी शानदार रही।

क्या रहा हाई पॉइंट

राइजिंग पुणे सुपरजायंट के खिलाफ पहले मैच में हारने के बाद मुंबई ने जल्द लय पकड़ ली। कोलकाता के खिलाफ हार्दिक पांड्या और नीतीश राणा ने अच्छी बल्लेबाजी की। 179 रनों का पीछा करते हुए टीम का स्कोर 17 ओवर में 130/5 था। दोनों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक गेंद बाकी रहते हुए मैच जीत लिया। बैंगलोर के खिलाफ 7 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद मुंबई ने कायरन पोलार्ड की 70 रनों की पारी के दम जीत हासिल की। राणा ने इस लीग में दो और हाफ सेंचुरी लगाई। पंजाब और गुजरात के खिलाफ लगाई इन दोनों हाफ सेंचुरी ने मुंबई को जीत दिलाई। मुंबई ने प्लेऑफ में टॉप पर रहकर एंट्री ली।

लो पॉइंट

मुंबई क्योंकि चैंपियन बन चुकी है ऐसे में इस पर ज्यादा विचार करने की जरूरत नजर नहीं आती लेकिन एक टीम जिससे मुंबई लीग स्टेज में पार नहीं पा पाई वह थी राइजिंग पुणे सुपरजायंट। टीम को लीग के अलावा प्लेऑफ में भी पुणे से हार का सामना करना पड़ा। पर आखिर उसने वह मुकाबला जीता जो सबसे ज्यादा मायने रखता था- फाइनल। इसके अलावा प्लेऑफ से पहले पंजाब का उनके खिलाफ 230 का स्कोर बनाना आंखें खोलने जैसा रहा।

कैसी रही कप्तानी

रोहित शर्मा तीन बार आईपीएल जीतने वाले पहले कप्तान बन गए। लक्ष्य कितना भी छोटा क्यों न हो रोहित ने अपने गेंदबाजों पर पूरा भरोसा जताया और ज्यादातर मौकों पर गेंदबाजों ने रोहित को सही साबित किया। रोहित ने कई बार बल्लेबाजी में खुद से ज्यादा नीतीश राणा और अंबाती रायुडू पर भरोसा जताया। रोहित का हरभजन सिंह को ड्रॉप करने का फैसला कई लोगों को अखरा होगा लेकिन कर्ण शर्मा ने क्वॉलिफायर में चार विकेट लेकर इस फैसले को भी सही साबित किया।

सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह को यह खिताब दिया जा सकता है। जब भी मुंबई को विपक्षी टीम के स्कोर पर लगाम लगाने की या विकेट लेने की जरूरत पड़ी रोहित ने बुमराह का रुख किया। बुमराह ने भी अपने कप्तान को निराश नहीं किया। उन्होंने 20 विकेट लिए और उनका इकॉनमी रेट भी 8 से नीचे रहा। बुमराह ने गुजरात लायंस के खिलाफ सुपर ओवर में 11 रन बचाए। फाइनल में धोनी को आउट किया और अपने आखिरी दो ओवरों में सिर्फ 14 रन दिए।

क्या रही निराशा की बात

रोहित की कप्तानी जहां पूरी लीग में शानदार रही वहीं बल्ले से वह ज्यादा कामयाब नहीं हुए। रोहित ने 17 मैचों में 333 रन बनाए। उन्होंने इस लीग में कुल तीन हाफ सेंचुरी लगाईं जिसमें से दो में उनकी टीम को जीत नहीं मिली।

और अंत में

शानदार। पहले मैच की हार के बाद टीम बेहतरीन ढंग से एकजुट हुई। टीम ने जो लय पकड़ी वह आखिर तक बनाए रखी। टीम के पास कई मैच विनर्स थे जिन्होंने उसे जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

फाइनल में हार जाती मुंबई, 'इस फैन' की वजह से रच दिया इतिहास ?

नई दिल्ली, 24 मई (जेएनएन)। आइपीएल 10 का फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा, आखिरी गेंद तक मैच दोनों ही टीमों के पाले में जा सकता था। लेकिन आखिर में मुंबई की टीम ने मैदान मार कर इतिहास दर्ज़ कर दिया। मुंबई की टीम तीन बार आइपीएल का खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई।

लेकिन मुंबई की इस जीत के पीछे मैदान पर मौजूद एक खास शख्स को बताया जा रहा है। मैच के अंतिम ओवरों में एक वृद्ध महिला मुंबई की टीम की जीत के लिए प्रार्थना करती नज़र आईं। मुंबई इंडियंस के फैंस सोशल मीडिया पर कह रहे हैं कि मुंबई इंडियंस की इस खास फैन की प्रार्थना की वजह से ही रोहित शर्मा की टीम ने इतिहास रच दिया।

कौन है ये बेहद खास फैन ?

मुंबई के जीत के लिए लगातार भगवान से दुआ करने वाली ये फैन इस टीम के लिए बेहद ही खास हैं। ये वृद्ध महिला नीता अंबानी की मां हैं और इन्हें सब 'नानी' के नाम से बुलाते हैं।

इस तरह से सुर्खियों में आई 'नानी'

खिताबी मुकाबले के आखिरी ओवर में पुणे की टीम को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे। इस ओवर की पहली ही गेंद पर मनोज तिवारी ने चौका जड़ कर रनों के फासले को कम करते हुए 7 तक ला दिया। पुणे को अब 5 गेंदों पर 7 रनों की जरूरत थी, तभी मैदान में बैठी एक वृद्ध महिला पर सभी की नजरें पड़ी, जो मुंबई की जीत की दुआएं मांग रही थीं। इसके बाद 'नानी' की फोटो ट्विटर पर वायरल हो गई। जिसके बाद हर कोई ये जानना चाहता था कि आखिर ये महिला हैं कौन ?

अभिषेक बच्चन ने खोला राज़

मुंबई की जीत के लिए प्रार्थना करती नानी की पहचान का राज़ अभिषेक बच्चन ने खोला। जूनियर बच्चन ने ट्विटर पर इस महिला की पहचान का खुलासा करते हुए लिखा कि 'यह ओल्ड लेडी मिसेज अंबानी (नीता अंबानी) की मां हैं। इनको सब %नानी% के नाम से पहचानते है, जो कि अब मुंबई के लिए लकी चार्म हैं'। आपको बता दें कि नीता अंबानी की मां का नाम पूर्णिमा दलाल है।

सिजोफ्रेनिया की अनदेखी न करें-डॉ. मलिक

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 24 मई। विश्व सिजोफ्रेनिया दिवस के अवसर पर भारतीय साईकेट्रिक सोसाईटी छत्तीसगढ़ शाखा के तरफ से प्रदेश भर में जन जागरूकता हेतु अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। पोस्टर पॉपलेट वितरण एवं जन समान्य के बीच इस बीमारी के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु लेक्चरों का आयोजन शाखा द्वारा अनेक शहरों में किया गया है।

भारतीय साईकेट्रिक सोसाईटी शाखा के सचिव डॉ. नितिन मलिक ने कहा कि सिजोफ्रेनिया के दस में से चार मरीज खुदकुशी की कोशिश करते हैं और सिजोफ्रेनिया के दस में से एक मरीज खुदकुशी करके अपनी जीवन की लीला समाप्त कर लेते हैं और ऐसे में सिजोफ्रेनिया के मरीजों की पहचान एवं उनका उपचार अत्यंत आवश्यक है। डॉ. मलिक के अनुसार गंभीर किस्म के सिजोंनिया के रोगी हिंसक और विद्रोही हो जाते हैं।

कभी-कभी वे खुद के लिए खतरनाक हो जाते हैं या दूसरे व्यक्ति के लिए खतरनाक हो जाते हैं। वे खुद आत्महत्या का विचार या कोशिश कर सकते हैं। दूसरे व्यक्ति पर भी जानलेवा हमला कर सकते है। सिजोफ्रेनिया के इलाज तथा पुनर्वास में परिवार एवं समाज की बहुत बड़ी भूमिका है। इन मरीजों का पुनर्वास बहुत ही मेहनत एवं धैर्य वाला काम होता है जिसमें चिकित्सकों के साथ-साथ परिवार एवं समाज का सहयोग आवश्यक होता है।

प्रो कबड्डी लीग के ऑक्शन में सबसे महंगे बिके नितिन तोमर

छत्तीसगढ़ संवाददाता

नई दिल्ली, 24 मई (नवभारत टाईम्स)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के पांचवें सीजन में पहले चरण की नीलामी में सबसे महंगे बिके रेडर नितिन तोमर अपनी इस उपलब्धि से बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि उन्हें इतनी रकम मिलने की उम्मीद नहीं थी। नितिन को सोमवार को पहले चरण की नीलामी में लीग में शामिल नई टीम यूपी ने 93 लाख रुपये की भारी रकम देकर खरीदा है। अपनी बोली से खुश नितिन ने कहा कि, मैं यूपी टीम को धन्यवाद देना चाहूंगा, जिसने मुझे 93 लाख में खरीदा और मुझ पर भरोसा जताया। इसके बाद मैं अपने परिवार का धन्यवाद देना चाहूंगा।

नितिन से पहले विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे मंजीत चिल्लर शुरुआती चरण में सबसे महंगे खिलाड़ी चल रहे थे। उन्हें जयपुर पिंक पैंथर्स ने 75.5 लाख रुपये की कीमत में खरीदा था। लग रहा था कि मंजीत का रेकॉर्ड नहीं टूटेगा और वह लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी रहेंगे, लेकिन अंतिम चरण की नीलामी में नितिन ने मंजीत को पछाड़ दिया।

मंजीत को पीछे छोड़ने पर नितिन ने कहा, %यह फ्रेंचाइजी के मालिकों का फैसला था, मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं यहां तक पहुंच पाऊंगा।% सबसे महंगा खिलाड़ी बनने के बाद अच्छे प्रदर्शन का दबाव होगा? इस सवाल का जवाब देते हुए नितिन ने कहा, %दबाव वाली कोई बात नहीं है, लेकिन हां मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी। फोकस ज्यादा करना पड़ेगा। अच्छा प्रदर्शन करना होगा और टीम को ज्यादा से ज्यादा देना होगा।

रायपुर। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित सभाकक्ष में व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में लोकप्रिय चार्टेड अकाउंटेंट अमित चिमनानी के द्वारा एक जुलाई से लागू होने वाले जीएसटी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महामंत्री संगठन एवं वनौषधी बोर्ड के अध्यक्ष राम प्रताप, संगठन महामंत्री पवन साह, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष छगनलाल मूदंडा, प्रदेश महामंत्री संतोष पांडेय, सुभाष राव, विधायक श्रीचंद सुंदरानी, संजय श्रीवास्तव, अशोक मोदी, बलदेव सिंह भुंदल, शीलचंद जैन, सुषमा कोठरी, सुभाष अग्रवाल, जीतेंद्र गोलछा, संतोष जैन, मुकेश शर्मा, नारायण भूषणिया, राजेश गुप्ता सहित प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण, कार्यकर्ता एंव व्यापारी उपस्थित थे।

किक बॉक्सिंग में 9 खिलाड़ियों ने जीता गोल्ड

छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 24 मई। भुवनेश्वर में हुए ईस्ट जोन किक बाक्सिंग चैम्पियनशिप में जिले के खिलाड़ी छाए रहे। स्पर्धा में जिले के 23 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें से 9 खिलाड़ियों ने गोल्ड पर कब्जा जमाया। जबकि सभी ने अपने-अपने वेट केटेगरी में मेडल जीते।

19 से 21 मई तक भुवनेश्वर के किट यूनिवर्सिटी में चैम्पियनशिप हुई। शहर सहित आसपास की गांवों के 23 खिलाड़ियों ने इसमें हिस्सा लिया। बालक-बालिका दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन के बूते सभी 23 खिलाड़ियों ने पदक जीते।

मंगलवार शाम 5 बजे सभी खिलाड़ी बस स्टैंड पहुंचे। चैम्पियनशिप में 9 खिलाड़ियों को गोल्ड, 9 को सिल्वर और 9 ने ब्रांज मेडल पर कब्जा जमाया। कुछ खिलाड़ियों ने दो अलग-अलग वेट केटेगरी में भाग लिया था, जिन्हें डबल मेडल मिले।

गोल्ड मेडल विशाल साहू, प्रवीण बंजारे, इमरान बख्श, कुश चन्द्राकर, प्रवीण साहू, रौनक तलूजा, त्रिवेन्द्र साहू, आयुश हिरवानी, शुभम रजक ने प्राप्त किया। खिलाड़ियों के साथ धमतरी किक बाक्सिंग एसोसिएशन के कोच कुलप्रीत सिंह अजमानी, रेशमा शेख, टीम मैनेजर उर्वशी भी थीं। इन्होंने बताया कि चैम्पियनशिप में बच्चों ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया। आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ियां सबले बढ़िया का नारा गूंजता रहा।

दूसरे दिन राजनांदगांव, रायपुर व बिलासपुर ने जीता मैच

छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 24 मई। छत्तीसगढ़ हॉकी द्वारा आयोजित तीसरी राज्य स्तरीय वरिष्ठ पुरूष हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन तीन मैच खेले गए। पहले मैच में हॉकी राजनांदगांव ने कैग छग रायपुर को 5-1 से, दूसरे मैच में हॉकी रायपुर ने एनएमडीसी को 5-2 से एवं तीसरे मैच में हॉकी बिलासपुर ने हॉकी दुर्ग को 5 के मुकाबले 3 गोल से पराजित किया।

छत्तीसगढ़ हॉकी एवं हॉकी राजनादगांव द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए पहले मैच में हॉकी राजनादगांव की ओर से मनीष यादव, अर्पित यादव, गोलू, तरूण यादव, सुखदेव निर्मलकर ने गोल किया। उसी प्रकार कैग छग रायपुर की ओर से विकास किसपोटा ने गोल किया और इस प्रकार हॉकी राजनादगांव ने कैग छग रायपुर को 5-1 गोल से पराजित किया।

दूसरे मैच में हॉकी रायपुर ने एनएमडीसी को 5-2 गोल से पराजित किया। रायपुर की ओर से पहला गोल अनीस अहमद, दूसरा गोल जुनैद अहमद, तीसरा गोल टीम के कप्तान खोगेश्वर बाघ ने किया। चौथा गोल मुकेश छुरा तथा मैच का पांचवा गोल जुनैद अहमद ने किया और अपनी टीम को शानदार विजय हॉसिल दिलाई।

तीसरा मैच हॉकी दुर्ग विरूद्व हॉकी बिलासपुर के मध्य खेला गया। जिसमें हॉकी बिलासपुर की ओर से पहला गोल रोहित रजक एवं दूसरा गोल आकाश ने किया और मैच को अपने पक्ष में कर रखा था, किन्तु मैच के मध्यान्तर के बाद हॉकी दुर्ग ने शानदार वापसी की और हॉकी दुर्ग की ओर लवप्रित सिंह ने शानदार दो गोल किया ओर मैच को बराबरी पर ला दिया और मैच का फैसला सूटआउट के दौरान किया गया। जिसमें हॉकी बिलासपुर ने 8 के मुकाबले 5 गोल से विजय हॉसिल की। मैच के अंपायर धनीराम यादव, गौरव सिंह, किशोर धीवर, अब्दुल कादिर, तरूण यादव, राजेश निर्मलकर थे। तकनीकी अधिकारी इंदरपाल सिंह, निशार अब्बास एवं कृष्णा यादव तथा टूर्नामेंट डायरेक्टर ज्ञानचंद जैन एवं अंपायर मैनेजर विकास वैष्णव थे।

टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाजी कोच की मांग

नई दिल्ली, 24 मई (समाचार जगत)। टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाजी कोच की मांग की गई है। भारतीय टीम के मुख्य कोच अनिल कुंबले और कप्तान विराट कोहली की हैदराबाद में प्रशासकों की समिति (सीओए) तथा बीसीसीआई के अधिकारियों के साथ बैठक में यह मांग रखी गई।

बैठक में बीसीसीआई के सीईओ राहुल जौहरी, संयुक्त सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी मौजूद थे। इस बैठक में ग्रेड 'ए' खिलाडियों के केंद्रीय अनुबंध में 150 प्रतिशत बढ़ोतरी करने और सहयोगी स्टाफ के वेतन में पर्याप्त वृद्धि करने की सिफारिश की गई थी।

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाजी कोच रखने की भी मांग की गई। टीम के कोच अनिल कुंबले विश्व स्तरीय लेग स्पिनर रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं।

इसके साथ ही यह भी पेशकश की गई कि संजय बांगड़ को सहायक कोच बनाया जाना चाहिए।

बेमेतरा में पत्रकारों की पंजीकृत संस्था (प.क्रं.878)

सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा

के

श्री दिनेश दुबे

को

अध्यक्ष

एवं

श्री जयप्रकाश मिश्रा

को

महासचिव

बनाए जाने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

-: शुभेच्छु :-

नंदू राठी

बेमेतरा